10. क्रिया

हम प्रतिदिन कुछ न कुछ काम करते ही हैं। यही काम का करना या होना क्रिया कहलाता है। कुछ काम प्राणी करता है तथा कुछ काम स्वयं होते हैं। कुछ काम प्रकृति करती है, जैसे– हवा का चलना, वर्षा होना आदि।

शिक्षण-संकेत

- ❖ व्याकरण का कोई भी विषय यदि दिन-प्रतिदिन की घटनाओं या वस्तुओं आदि के उदाहरणों द्वारा समझाया जाए तो छात्रों को सरलता से समझ आता है। क्रिया को इन्हीं रोज़मर्रा के उदाहरणों द्वारा समझाने का प्रयास करें।
- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्र-छात्राओं से पूछें कि वे प्रतिदिन क्या-क्या काम करते हैं। ऐसे कौन-से काम हैं जो वे छुट्टी वाले दिन ही करते हैं आदि बातचीत द्वारा छात्रों का ध्यान पाठ की ओर दिलाएँ।
- ❖ पूछें, क्रिया से वे क्या समझते हैं।
- ❖ छात्रों को अभिव्यक्ति का उचित अवसर दें।
- ❖ पाठ पृष्ठ 60 पर दिए वाक्यों को पढ़वाएँ और उनके क्रिया शब्दों को बताएँ।
- ❖ समझाएँ, जो काम को करता है वह क्रिया का कर्ता होता है। क्रिया का धातु रूप बताते हुए समझाएँ कि क्रिया के मूल रूप को धातु कहा जाता है। यह भी बताएँ कि क्रिया के बिना वाक्य पूर्ण नहीं हो सकता।
- ❖ बताएँ, क्रिया विकारी शब्द है इसलिए इस पर वचन और लिंग का प्रभाव पड़ता है जिसके कारण क्रिया का रूप बदल जाता है।
- ❖ छात्रों से क्रिया के भेदों के बारे में पूछें।
- ❖ तदुपरांत समझाएँ कर्म के आधार पर क्रिया सकर्मक और अकर्मक होती है।
- ❖ पृष्ठ 62 पर दिए उदाहरणों की सहायता से अकर्मक-सकर्मक क्रिया का अंतर स्पष्ट करें।
- ❖ समझाएँ, सकर्मक-अकर्मक क्रिया की पहचान के लिए वाक्य की क्रिया के साथ केवल 'क्या' लगाकर प्रश्न करें। यदि उत्तर मिलता है तो क्रिया सकर्मक होती है और यदि कुछ उत्तर प्राप्त नहीं होता तो क्रिया अकर्मक होती है।
- ❖ पूछते रहें कि छात्र क्रिया को ठीक प्रकार समझ पा रहे हैं या नहीं।
- ❖ सकर्मक क्रिया के भेदों-एककर्मक, द्विकर्मक से भी परिचित कराएँ। समझाएँ, द्विकर्मक क्रिया की पहचान के लिए क्रिया के साथ 'क्या तथा किसे' लगाकर प्रश्न करें। यदि दोनों प्रश्नों के उत्तर प्राप्त हों तब समझ जाएँ कि क्रिया में दो क्रम हैं।
- ❖ छात्रों से बातचीत करते हुए बताएँ कि कुछ काम हम करते हैं, कुछ काम स्वयं हो जाते हैं तथा कुछ काम ऐसे होते हैं जो दूसरों से करवाएँ जाते हैं, उन्हें प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं। ऐसे कार्य स्वयं न करके किसी से प्रेरणा पाकर किए जाते हैं।
- ❖ प्रेरणार्थक क्रिया को समझाने के लिए पृष्ठ 64 पर दिए वाक्यों को पढ़ें और समझाएँ, जो काम हम दूसरों के लिए करते हैं तथा दूसरों से करवाते हैं वे प्रेरणार्थक क्रिया के होते हैं।
- ❖ प्रथम प्रेरणार्थक तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया को स्पष्ट रूप से समझाएँ।
- ❖ पृष्ठ 64-65 पर दिए प्रथम-द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया के शब्दों को पढ़वाएँ।
- ❖ सुनिश्चित कर लें कि छात्र भली-भाँति समझ गए हैं या नहीं।